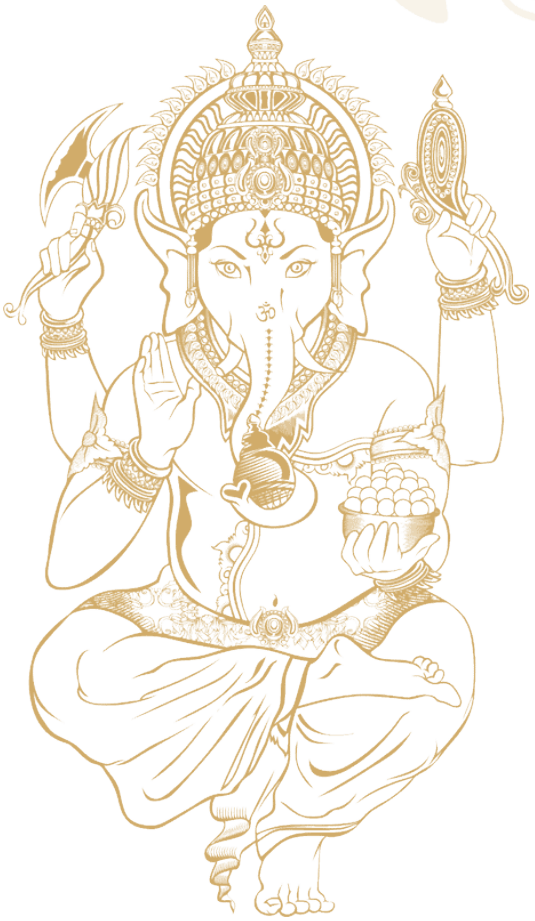

A

24 Feb 2026

11:03 AM

Delhi

Model: Varshphal-2017

Order No: 121377901

तिथि 24/02/2026 **समय** 11:03:00 **वार** मंगलवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:13:27
अक्षांश 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	20:58:19 घं
वेलान्तर	00:13:13 घं
सूर्योदय	06:51:43 घं
सूर्यास्त	18:17:24 घं
चैत्रादि संवत	2082
शक संवत	1947
मास	फाल्गुन
पक्ष	शुक्ल
तिथि	8
नक्षत्र	कृतिका
योग	वैधृति
करण	विष्टि

अवकहड़ा चक्र

गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-एकलव्य
पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-स्वर्ण
होरा	चंद्र
चौघड़िया	चर

विंशोत्तरी

सूर्य 1वर्ष 0मा 30दि

सूर्य

24/02/2026	
27/03/2027	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
24/02/2026	
केतु 26/03/2026	
शुक्र 27/03/2027	

योगिनी

उल्का 1वर्ष 0मा 30दि

उल्का

24/02/2026	
27/03/2027	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
24/02/2026	
भ्रामरी 26/05/2026	
भद्रिका 27/03/2027	

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			03:55:13	वृष	कृतिका	3	सूर्य	शनि	---	0:00			
सूर्य			11:23:21	कुंभ	शतभिषा	2	राहु	शनि	शत्रु राशि	1.60	मातृ	पितृ	क्षेम
चंद्र			07:35:36	वृष	कृतिका	4	सूर्य	केतु	मूलत्रिकोण	1.38	पुत्र	मातृ	जन्म
मंगल		अ	00:45:44	कुंभ	धनिष्ठा	3	मंगल	बुध	सम राशि	1.48	कलत्र	भ्रातृ	विपत
बुध			27:59:43	कुंभ	पू०भाद्रपद	3	गुरु	शुक्र	सम राशि	1.02	आत्मा	ज्ञाति	प्रत्यारि
गुरु	व		21:13:33	मिथु	पुनर्वसु	1	गुरु	गुरु	शत्रु राशि	1.28	भ्रातृ	धन	प्रत्यारि
शुक्र			23:02:27	कुंभ	पू०भाद्रपद	1	गुरु	शनि	मित्र राशि	1.17	अमात्य	कलत्र	प्रत्यारि
शनि			06:56:13	मीन	उ०भाद्रपद	2	शनि	बुध	सम राशि	1.07	ज्ञाति	आयु	साधक
राहु	व		14:45:23	कुंभ	शतभिषा	3	राहु	केतु	मित्र राशि		---	ज्ञान	क्षेम
केतु	व		14:45:23	सिंह	पू०फाल्गुनी	1	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि		---	मोक्ष	अतिमित्र

लग्न-चलित

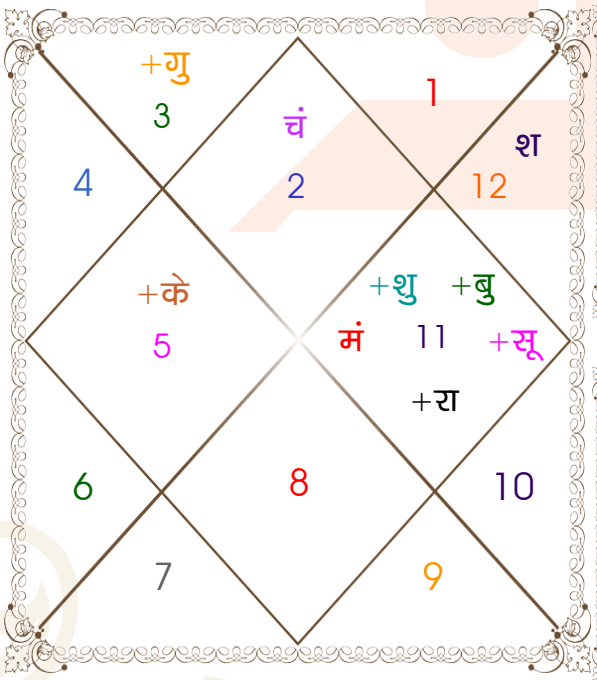

चन्द्र कुंडली

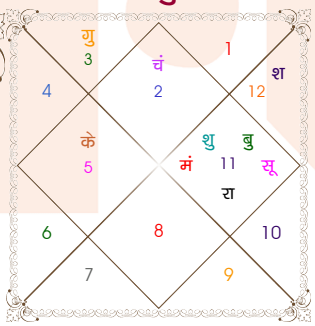

नवमांश कुंडली

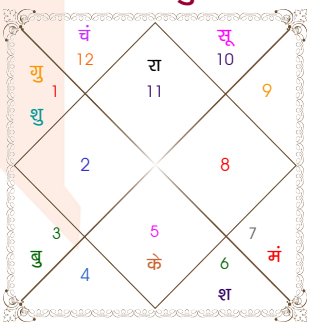

सर्वाष्टकवर्ग

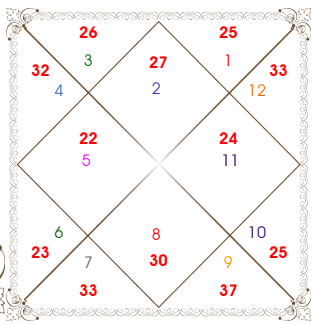

दशमांश कुंडली

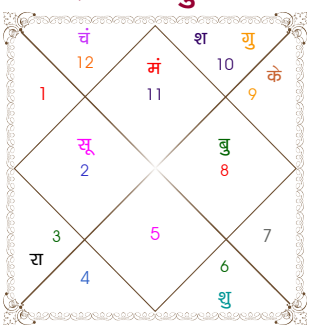

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रूचि रहेगी । इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न रहेंगे तथा मन में शान्ति तथा प्रसन्नता रहेगी। इस वर्ष में आपके विगत रूके हुए कार्य सफल होंगे। शत्रु एवं विरोधी पक्ष को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति भी इस समय उत्तम रहेगी तथा सभी लोग आपसे मिल जुलकर रहेंगे तथा एक दूसरे को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा आनन्दपूर्वक इनका उपभोग करेंगे। साथ ही वाहन या आवास संबंधी सुख या लाभ की भी इस वर्ष में प्राप्ति होगी।

व्यापरिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति एवं सफलता के लिए वर्ष अनुकूल रहेगा इस समय व्यापार में आपको वांछित सफलता मिलेगी तथा विस्तार या नवीन कार्य का प्रारंभ होगा। साथ ही प्रचुर मात्रा में लाभ भी होगा। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपकी पदोन्नति होगी तथा किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे। इस समय सरकार या राज्य से आपको सम्मान की प्राप्ति होगी तथा आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही समाजिक मान प्रतिष्ठा एवं यश में भी वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी। साथ ही सर्वत्र सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। अतः आपके लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। साथ ही इसमें आपको सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपका शत्रुपक्ष निर्बल रहेगा तथा उनपर विजय प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे फलतः व्यापार,चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षा में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इस समय आप के रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा आशाओं एवं मानसिक संकल्पों में भी सफलता मिलेगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा। व्यापार में इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा विस्तार या किसी नवीन कार्य को प्रारंभ करने में आप समर्थ रहेंगे। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी पदोन्नति होगी तथा किसी महत्वपूर्ण पद पर आप नियुक्त हो सकेंगे। इससे समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही यथोचित आदर भी करेंगे।राजनैतिक महत्व के लोगों तथा सरकार के अधिकारी वर्ग से भी आपके मधुर संबध रहेंगे। अतः इनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा ये आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त वाहन संबधी सुख भी प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही सौभाग्यशाली रहेगा तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आप उन्नतिशील रहेंगे।

प्रथम मास

24/02/2026 11:03:00 से 26/03/2026 12:03:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	03:55:13
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	11:23:21
चन्द्र		वृष	कृतिका	07:35:36
मंगल		कुम्भ	धनिष्ठा	00:45:44
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:59:43
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:13:33
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:02:27
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:56:13
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:45:23
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:23
मुंथा		वृष	कृतिका	03:55:13

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

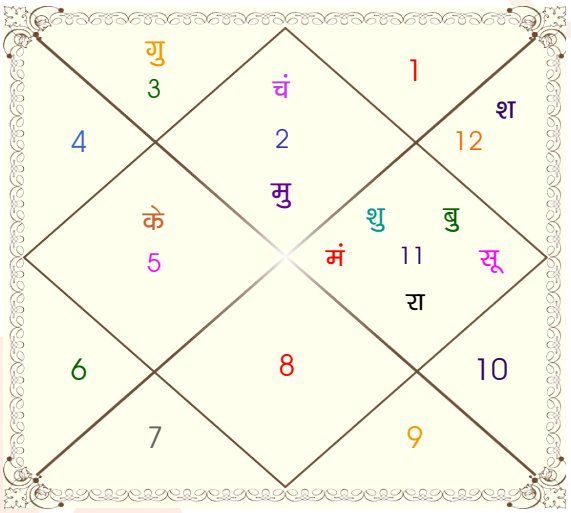

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा। इसके, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रुधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

द्वितीय मास

26/03/2026 12:03:33 से 26/04/2026 01:20:16 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	17:26:54
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	11:23:21
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	17:31:12
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:24:25
बुध		कुम्भ	शतभिषा	15:37:39
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:13:50
शुक्र		मेष	अश्विनी	00:21:20
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	10:36:30
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:29:03
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:29:03
मुंथा		वृष	कृतिका	06:25:13

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

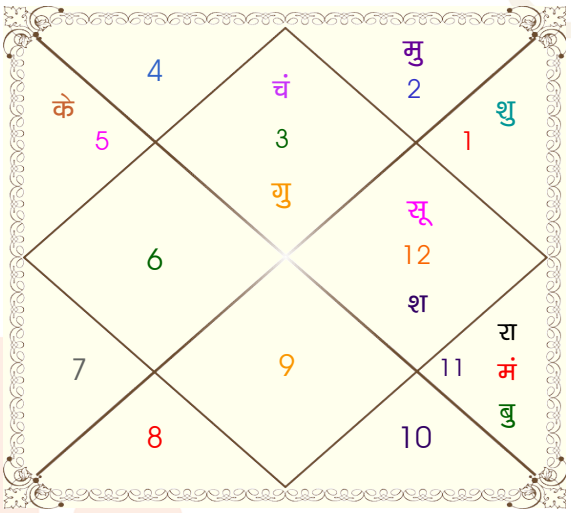

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आप दुष्ट मनुष्यों की संगति को प्राप्त करेंगे तथा व्यय भी काफी होगा जिससे आर्थिक एवं मानसिक रूप से आप कष्टानुभूति होगी। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे। काफी परिश्रम के बाद भी आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अल्प सफलता ही प्राप्त कर सकेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों को आप उचित सम्मान प्रदान नहीं करेंगे।साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। आपके मित्रों एवं सम्बन्धियों से तनावपूर्ण सम्बन्ध रहेंगे तथा नौकरी या व्यापारिक कार्यों में भी अनावश्यक रूप से बाधाएं या रूकावटें उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आपके मन में भय तथा चिन्ता रहेगी तथा जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। अतः समय समय पर मन से बेचैनी भी रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त आदि से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट प्राप्त करेंगे तथा रक्तविकार का भी योग बनता है अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हो सकें तथा शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

तृतीय मास

26/04/2026 01:20:16 से 27/05/2026 02:20:50 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	11:15:18
सूर्य		मेष	अश्विनी	11:23:21
चन्द्र		सिंह	मघा	02:54:05
मंगल		मीन	रेवती	18:10:28
बुध		मीन	रेवती	22:28:50
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:59:42
शुक्र		वृष	कृतिका	07:47:19
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:19:43
राहु		कुम्भ	शतभिषा	13:07:57
केतु		सिंह	मघा	13:07:57
मुंथा		वृष	कृतिका	08:55:13

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

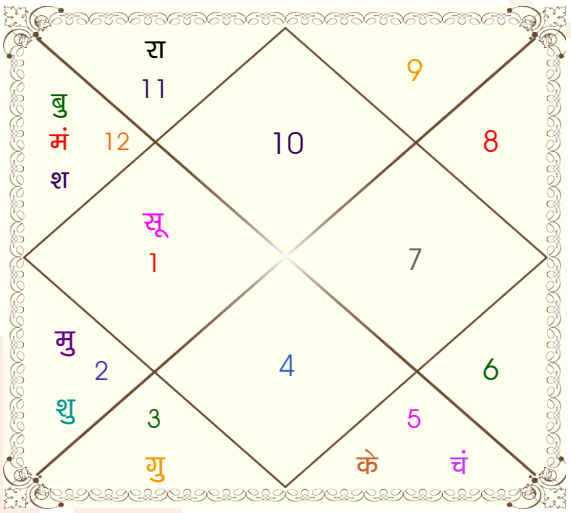

यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस मास में आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य आप अपनी बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र सुख भी आपको प्राप्त होगा। आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे। इस मास आपके शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इनका आप यथोचित सम्मान एवं पूजन करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप यथोचित लाभ अर्जित करने में भी सफल सिद्ध होंगे एवं समाज से पूर्ण मान प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।अतः मानसिक रूप से पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से आवश्यक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में भी सफल रहेंगे। धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक कार्य क्रम का आयोजन करने में भी आप प्रवृत होंगे।

चतुर्थ मास
27/05/2026 02:20:50 से 27/06/2026 11:15:47 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	11:59:46
सूर्य		वृष	रोहिणी	11:23:21
चन्द्र		कन्या	हस्त	21:29:17
मंगल		मेष	अश्विनी	11:43:03
बुध		वृष	मृगशिरा	25:30:38
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:53:16
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	15:05:33
शनि		मीन	रेवती	17:34:08
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:21:11
केतु	व	सिंह	मघा	10:21:11
मुंथा		वृष	रोहिणी	11:25:13

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

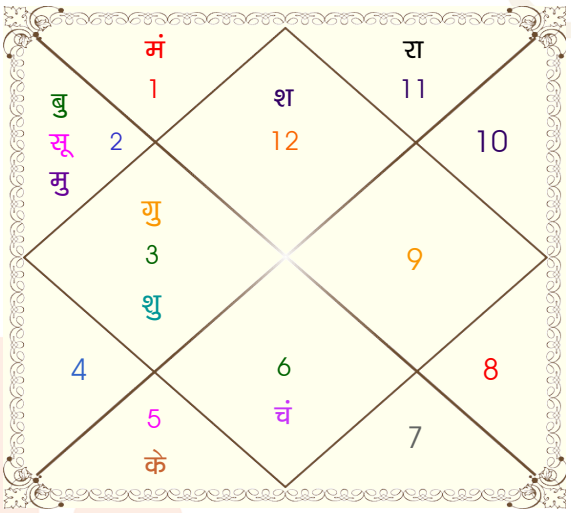

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

पंचम् मास
27/06/2026 11:15:47 से 28/07/2026 21:56:03 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	26:06:14
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	11:23:21
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	11:15:46
मंगल		वृष	कृतिका	04:38:54
बुध		कर्क	पुनर्वसु	01:47:20
गुरु		कर्क	पुष्य	05:07:52
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	21:41:10
शनि		मीन	रेवती	19:47:05
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	07:14:08
केतु	व	सिंह	मघा	07:14:08
मुंथा		वृष	रोहिणी	13:55:13

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

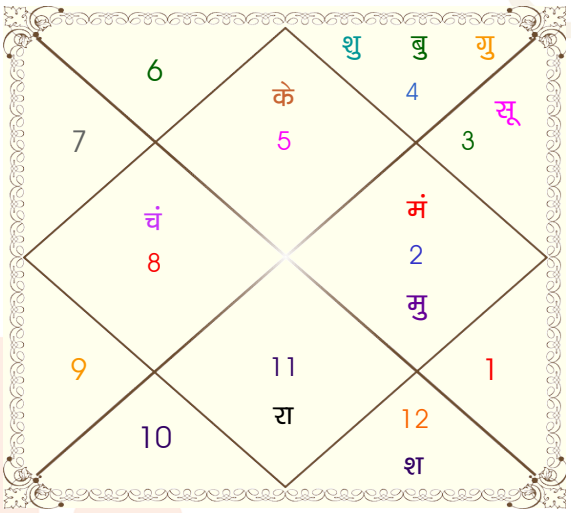

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा सम्मान भी प्राप्त करेंगे तथा ये लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी भलाई के कार्यो को करने में भी तत्पर रहेंगे।आपके कई विलम्बित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। संतति पक्ष से भी आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा मित्रों एवं बन्धुओं के मध्य आप की मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।साथ ही आपकी असफल आशाएं भी इस समय सिद्ध होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस समय आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग भी प्राप्त करने में सफल रहेंगे।आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी एवं प्रचुर मात्रा में संपूर्ण मास धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

षष्ठ मास

28/07/2026 21:56:03 से 29/08/2026 03:41:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	05:53:10
सूर्य		कर्क	पुष्य	11:23:21
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	01:03:48
मंगल		वृष	मृगशिरा	26:35:28
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	23:10:53
गुरु		कर्क	पुष्य	11:59:49
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	26:21:47
शनि	व	मीन	रेवती	20:30:58
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:39:41
केतु	व	सिंह	मघा	05:39:41
मुंथा		वृष	रोहिणी	16:25:13

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

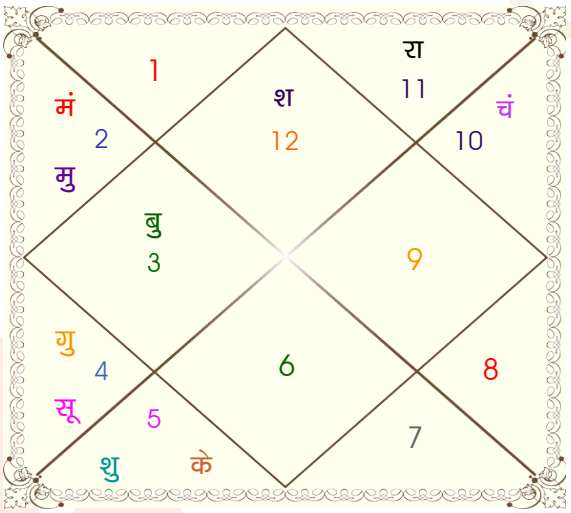

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विभिन्न प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे साथ ही अन्य जनों की भलाई के लिए भी आप इस मास में कार्य करते रहेंगे। इस समय स्वास्थ्य भी सामान्य ही रहेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे जिससे समाज में आपको पूर्ण ख्याति प्राप्त होगी। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी। जिससे आप मानसिक सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी होंगे।अतः आप गर्मी या पित्तादि से उत्पन्न दोषों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे साथ ही किसी प्रकार से रूधिर विकार की संभावना भी हो सकती है अतः शारीरिक सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखें तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे कष्ट अल्प मात्रा में हों।

सप्तम् मास
29/08/2026 03:41:12 से 28/09/2026 23:19:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	11:19:55
सूर्य		सिंह	मघा	11:23:21
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:15:08
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	17:12:15
बुध		सिंह	मघा	12:35:10
गुरु		कर्क	आश्लेषा	18:49:07
शुक्र		कन्या	चित्रा	26:25:39
शनि	व	मीन	रेवती	19:36:56
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:36:26
केतु	व	सिंह	मघा	05:36:26
मुंथा		वृष	रोहिणी	18:55:13

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

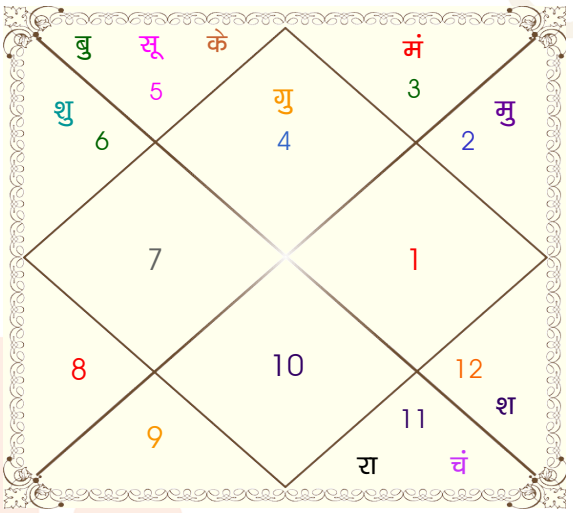

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय स्त्रीवर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही सौभाग्य से भी युक्त रहेंगे ।अतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे तथा आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उतम रहेगा। इस समय अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा इस में आप सफल भी होंगे।मित्रों तथा संबंधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे भी यथोचित सुख सम्मान एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा।साथ ही मनोच्छित द्रव्य पदार्थों की भी आपको इस मास में लाभ होने की सम्भावना रहेगी।संततिपक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।फलतः आप मानसिक रूप से भी प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आपको इस समय उपलब्धि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिये अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्य प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास
28/09/2026 23:19:11 से 29/10/2026 06:32:41 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	10:58:03
सूर्य		कन्या	हस्त	11:23:21
चन्द्र		मेष	अश्विनी	07:36:54
मंगल		कर्क	पुष्य	06:08:05
बुध		तुला	चित्रा	03:24:18
गुरु		कर्क	आश्लेषा	24:57:03
शुक्र		तुला	स्वाति	13:51:57
शनि	व	मीन	रेवती	17:31:19
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:06:55
केतु	व	सिंह	मघा	05:06:55
मुंथा		वृष	रोहिणी	21:25:13

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

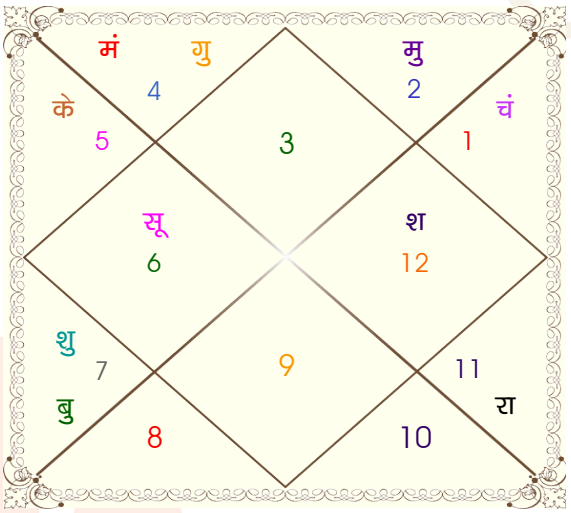

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रूप से व्यतीत होगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आप दुष्ट मनुष्यों की संगति से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय आप आर्थिक संकट से भी उलझे रहेंगे। अतः मानसिक रूप से भी अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अत्यन्त परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का भी आप यथोचित पूजन तथा सत्कार नहीं करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप हानि प्राप्त करेंगे। इस समय आपके मित्रों तथा बन्धुओं से मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक रूप से व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे। साथ ही शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी। अतः मानसिक रूप से आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से लाभ अर्जित करेंगे तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी। साथ ही धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी। जिसके फलस्वरूप कोई धार्मिक उत्सव सम्पन्न हो सकता है। इस प्रकार यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा।

नवम् मास
29/10/2026 06:32:41 से 28/11/2026 02:25:52 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	10:56:16
सूर्य		तुला	स्वाति	11:23:21
चन्द्र		वृष	रोहिणी	20:29:24
मंगल		कर्क	आश्लेषा	22:53:06
बुध	व	तुला	विशाखा	25:07:34
गुरु		कर्क	आश्लेषा	29:43:12
शुक्र	व	तुला	चित्रा	03:35:33
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:14:35
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	02:56:15
केतु	व	सिंह	मघा	02:56:15
मुंथा		वृष	मृगशिरा	23:55:13

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

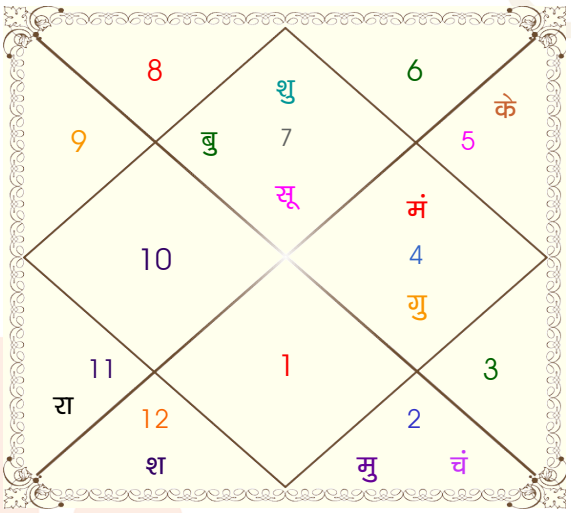

यह महीना आपके लिए अशुभ फल अधिक मात्रा में प्रदान करेगा तथा शुभ फल अल्प मात्रा में ही घटित होंगे। इस समय शत्रु पक्ष से आप चिंतित एवं भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे कई अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे।साथ ही इस मास में आपके घर में चोरी आदि भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में विघ्न बाधाएं आती रहेंगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इसके अतिरिक्त आपका स्वास्थ्य खराब रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट प्राप्त कर सकते है। इस समय दूर समीप की कोई यात्रा भी कर सकते है। साथ ही सांसारिक कार्यो से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्ययाधिक्य की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा एवं अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे एवं समाज में यथोचित सम्मान भी प्राप्त होगा।

दशम् मास
28/11/2026 02:25:52 से 27/12/2026 14:56:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	12:47:05
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	11:23:21
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	26:58:12
मंगल		सिंह	मघा	06:30:32
बुध		तुला	विशाखा	23:22:39
गुरु		सिंह	मघा	02:25:00
शुक्र		तुला	चित्रा	02:08:24
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	13:51:06
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	29:41:05
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	29:41:05
मुंथा		वृष	मृगशिरा	26:25:13

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

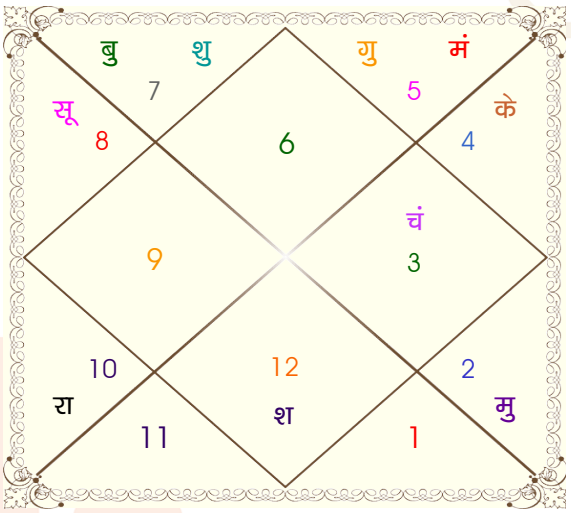

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वग! आपसे पूर्ण प्रसतथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न होगा। संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग मिलेगा तथा इनकी ओर से आप निश्चिन्त रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे।साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा तथा आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सम्मान तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस प्रकार सर्वत्र आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धन एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आप श्रद्धालु होंगे एवं धर्मानुपालन में तत्पर रहेंगे जिससे समाज में आपके सम्मान में अभिवृद्धि होगी।

एकादश मास

27/12/2026 14:56:04 से 26/01/2027 01:48:10 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	03:56:46
सूर्य		धनु	मूल	11:23:21
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	28:06:20
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:59:33
बुध		धनु	मूल	08:19:52
गुरु	व	सिंह	मघा	02:27:08
शुक्र		तुला	विशाखा	24:43:52
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:56:23
राहु		मकर	धनिष्ठा	27:11:00
केतु		कर्क	आश्लेषा	27:11:00
मुंथा		वृष	मृगशिरा	28:55:13

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

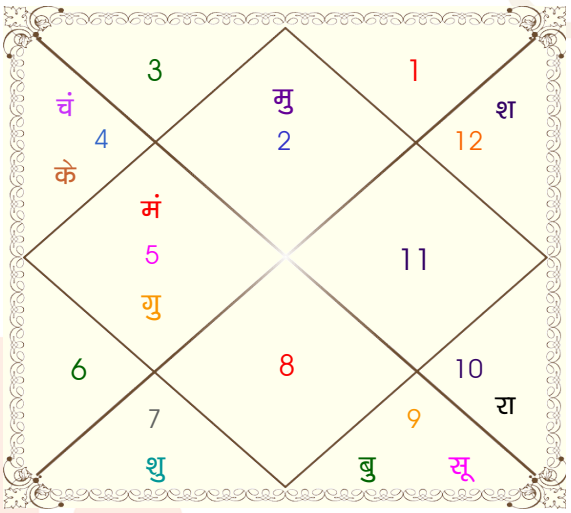

यह मास आपके लिए सामान्य रूप से ही शुभ फलदायक रहेगा तथा अशुभ फल भी अल्प मात्रा में होते रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा हृदय से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष को पराजित करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके शत्रु आपसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आप की आय स्त्रोतों में भी उन्नति होगी फलतः प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में सफल रहेंगे। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी आप लाभार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य की भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके विलम्बित कार्य भी इस मास में पूर्ण हो सकेंगे। मित्रों तथा बन्धुवर्ग से आपके संबध मधुर रहेंगे तथा सांसारिक कार्य भी समय पर सम्पन्न होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथा योग्य सम्मान प्राप्त होता रहेगा।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आप कोई ऐसा कार्य करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त इस मास में अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार क्षति होने की संभावना है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

द्वादश मास

26/01/2027 01:48:10 से 24/02/2027 17:10:44 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	24:57:17
सूर्य		मकर	श्रवण	11:23:21
चन्द्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:06:27
मंगल	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:39:29
बुध		मकर	धनिष्ठा	26:46:27
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	29:52:46
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:49:25
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:32:10
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:19:43
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:19:43
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	01:25:13

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

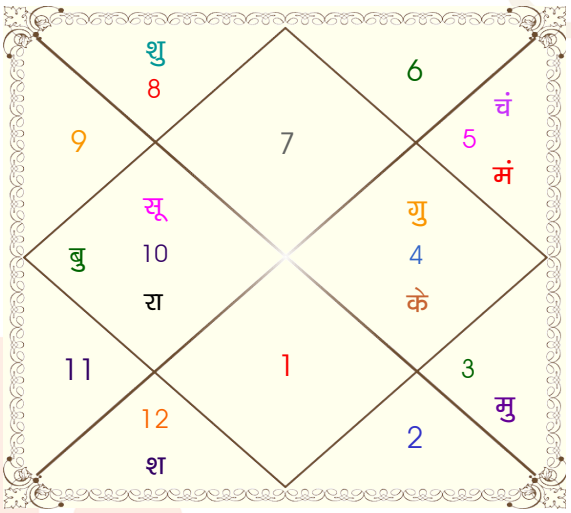

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे।साथ ही प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। आपके घर में इस मास में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी हो सकता है। सन्तति पक्ष से आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी अनन्य श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। समाज में सर्वत्र इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा भाग्योन्नति संबधी शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे।आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी इस मास में योग बनेगा ।साथ ही सरकारी तंत्र से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न रोगों के द्वारा शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा अन्य कारणों से रक्त विकार की भी संभावना रहेगी।अतः शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा अपने कार्य कलापों को बुद्धिमता से सम्पन्न करें।